SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका-अंक 3

अगस्त - 2020

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

गाँव के विकास से भारत के विकास का मॉडल–यही उद्देश्य सामने है। हमारा विश्वास है– हम होंगे कामयाब।

– *पद्मश्री-जयप्रकाश*

पोषण वाटिका निर्माण एवं सेनेटाइजर वितरण : नयागाँव (झज्जर)

सब्जी का बाजारीकरण होने के कारण घरों और आँगन में बनने वाली पोषण वाटिका अब कहीं नजर नहीं आती है। गाँव के लोग भी सब्जियाँ बाजार से ही खरीदना पसंद करते हैं। किन्तु बाजार में मिलने वाली सब्जी स्वास्थ्य के लिए कितनी ठीक होती है, यह शायद कोई जानता नहीं। इसी बात का ध्यान रखते हुए नयागाँव में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत पोषण वाटिका बनाने के लिए 10 प्रकार के सब्जी के बीज वितरण किए गए। सभी को पोषण वाटिका के फायदे और महत्व के बारे में बताया गया।

सभी ने अपने घरों के आस-पास की जगह में पोषण वाटिका बनाकर जैविक सब्जियों का उत्पादन शुरु कर दिया है। गाँव वालों का कहना है कि पोषण वाटिका घर के आस-पास की खाली जगह पर बनाने से उसकी देखरेख में अतिरिक्त मेहनत करने की आवश्यकता भी नहीं है। सिंचाई करने के लिए घर से निकलने वाला पानी ही पोषण वाटिका में उपयोग होता है। अब परिवार में ही जैविक सब्जी उगाने से बाजार में होने वाला खर्च बहुत कम हो गया है।

नयागाँव में स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी को एक-एक सैनिटाइजर का वितरण किया गया। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए सभी लोगों को काढ़े, गर्म पानी के प्रयोग के बारे में बताया गया और सैनिटाइजर के लाभ के बारे में भी बताया गया। हम घर से बाहर किसी काम के लिये जाते हैं तो कोरोना का खतरा बढ़ जाता है जिससे हम सबको सावधान रहना चाहिए। इसके लिए सभी को सैनिटाइजर का प्रयोग बार-बार करते रहना होगा।

बीज वितरण

पोषण वाटिका

सेनेटाइजर वितरण

कर्म ही पूजा है।

आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर : पेण्ड्री (राजनांदगाँव)

इस वर्ष रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर बहनों नें अपने घर ही राखी तैयार की और स्वनिर्मित रक्षासूत्र को अपने भाइयों की कलाई में बांधा और गर्व महसूस किया। अपनी सखी सहेलियों को जन्मदिन और विवाह के शुभ अवसर पर उपहार देने के लिए पास के बाजारों में जाना पड़ता था किंतु इस प्रशिक्षण के उपरान्त वे उपहार में देने वाली वस्तुएं स्वयं ही बना लेती हैं, और उपहार में देती हैं। इससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आदर्श गाँव पेण्ड्री में आठ दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर कराया गया था। जिसमें गाँव की 35 बहनों ने भाग लिया था। इस प्रशिक्षण में झूमर, गुलदस्ता, तोरण, काँच, टेडी-बीयर आदि बस्तुएँ बनाना सिखाया गया। उनमें से कई बहनों ने अपने घर की सजावट की चीजों को बनाना आरंभ कर दिया है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से बहनों में आत्मनिर्भरता का भाव बढ़ा है।

पशु टीकाकरण : मूण्डला (सीहोर)

गाँव मूण्डला में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पशु-चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पशु पालने वाले किसानों ने पशुओं की बीमारियों से संबंधित समस्यायें विशेषज्ञों के बीच रखी। विशेषज्ञों ने सभी का समाधान किया। **शिविर में 60 किसानों ने 62 गाय, 34 भैंस का टीकाकरण व उपचार कराया।**

डॉक्टर श्री बाबूलाल पटेल जी द्वारा सभी किसानों की समस्या का समाधान कर नि:शुल्क दवा वितरण व टीकाकरण किया गया। शिविर में पशुओं को बांझपन, कृत्रिम गर्भाधान, थनैला रोग, गला घोटू, खुरहा, मुंहपका, जहरवाद, अफरा, दस्त और मरोड़ दुग्ध, ज्वर, निमोनिया आदि रोगों से कैसे सावधानी बरती जाये इसके विषय में जानकारी दी। साथ ही कुछ घरेलू उपचार भी बताये।

विभाग द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी किसान बंधुओं को दी गई। पशु चिकित्सा शिविर के माध्यम से लोगों में पशु पालन की जागरूकता बढ़ती जा रही है। पशुपालन को बढ़ावा देने से लोगों को रोजगार मिला और परिवार को आर्थिक मदद भी मिली। गाँव में हर वर्ष पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। गाँव में दुग्ध समिति बनाई गई हैं जिसके माध्यम से गाँव मे दो दुग्ध केन्द्र बनाये गये हैं। गाँव से लगभग 200 लीटर दूध प्रत्येक दिन शहरों में दिया जाता है।

सेवाभावी : अनुभव

मेरे परिवार में 8 देशी गाय हैं। बारिश के महीनें में पशुओं में होने वाली बीमारियों की जानकारी डॉक्टरों और विशेषज्ञों द्वारा मिलती रहती है। जिससे हम अपने पशुओं का समय- समय पर टीकाकरण व उपचार कराते रहते हैं। गोपालन से हमारे परिवार को आर्थिक मदद मिलती है। प्रतिदिन 7-8 लीटर दूध बेचते हैं, इसी आमदनी से हर वर्ष हमारे घर में पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

- राहुल ठाकुर
(मुण्डला)

भजन मण्डली द्वारा ग्राम विकास में योगदान : सलोई (विदिशा)

सलोई गाँव में भजन मण्डली द्वारा प्रत्येक शनिवार को हनुमान मंदिर पर सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाता है। साथ ही साथ भजन संध्या का कार्यक्रम लोगों की श्रद्धा का केन्द्र बन गया है। गाँव के बुजुर्गों के साथ युवा वर्ग भी समरसता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। हरे-कृष्णा सम्बोधन, बड़ों का सम्मान, भजन गाना, सुबह मंदिर जाना लोगों ने अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया है। यह देखकर पूरा विश्वास हो जाता है कि गाँव के परिवेश में परिवर्तन आया है।

भजन मण्डली के सदस्य प्रत्येक मंगलवार को होने वाले भजन-संध्या कार्यक्रम की जिम्मेदारी को स्वेच्छा से निभाते हैं। गाँव के सभी वर्गों में समरसता का भाव है। गाँव में भजन मण्डली की सामग्री जैसे- ढोलक, झांझ, हरमोनियम, मंजीरा आदि की व्यवस्था सेवाभावी सहयोगियों के माध्यम से की जाती है। साप्ताहिक भजन और सुंदरकाण्ड में बच्चे भी सम्मिलित होते हैं। जिसका परिणाम है कि गाँव का युवा वर्ग किसी भी प्रकार के नशे का आदी नहीं है। गाँव के पाँच युवाओं नें सम्पूर्ण सुंदरकाण्ड पाठ कण्ठस्थ कर लिया है।

सलोई गाँव की महिलाएँ भी किसी से कम नहीं हैं। महिला भजन समिति द्वारा माह में दो बार (अमावस्या और पूर्णिमा) मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का अयोजन किया जाता है। वर्ष में एक बार भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमे सभी वर्गों के लोगों की भूमिका होती हैं। यज्ञ का अनुष्ठान होता है। उस दिन गाँव में उत्सव का माहौल होता है। मंदिर परिसर के सुंदरीकरण के लिए सार्वजनिक बैठक होती है। गाँव के विकास कार्यों पर चर्चा व समीक्षा की जाती है। गाँव के प्रत्येक परिवार की विकास कार्यों में बराबर भूमिका होती है।

पोषण वाटिका : नांदियाकल्ला (जोधपुर)

आदर्श गाँव नांदियाकल्ला के 50 परिवारों में पोषण वाटिका बनाने के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा निःशुल्क बीज वितरण किया गया। इसमें 10 प्रकार के उन्नत किस्मों के सब्जी के बीज थे। गाँव के 50 परिवारों ने बाड़ी, ट्यूबवेल, बालकनी और छत पर जैविक पोषण वाटिका बनायी है।

घर में ही सब्जी उत्पादन की प्रथा बहुत पहले से चली आ रही है, लेकिन लोग इस परम्परा को भूलते जा रहे हैं इस परंपरा को पुनः जागृत करने के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा **घर-घर पोषण वाटिका अभियान** के तहत परिवारों में पोषण वाटिका तैयार करवाई जा रही है।

पोषण वाटिका लगाने के अनेकों लाभ हैं। जैसे- घर पर ही ताजी और जैविक सब्जी उपलब्ध होगी। पूरे परिवार को पर्याप्त पोषण मिलेगा। हरे-भरे वातावरण से वायु का शुद्धिकरण होगा। बाजार से सब्जियाँ खरीदने का खर्च कम होगा एवं पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा।

पोषण वाटिका को हम सब एक मुहिम की तरह जन-भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए अपने गाँव के सभी परिवारों में लगवा रहे हैं और पौधारोपण होने के बाद इसकी सुरक्षा का इंतजाम भी किया जा रहा है। पोषण अभियान को सफल एवं प्रभावशाली बनाने में **घर-घर पोषण वाटिका अभियान** का एक अहम योगदान है और यह एक प्रभावशाली मॉडल के रूप में हम सबको देखने को मिल रहा है।

पोषण वाटिका में बीज रोपित करते हुए।

चप्पल बनाने का स्वरोजगार : फफूँडा (मेरठ)

भारत गाँवों में बसता है, गाँव में बसने वाले लोगों को शहरों के मुकाबले प्राथमिक सुविधाएँ भी कम मिल पाती हैं जैसे- स्वच्छ पानी, बिजली, स्वास्थ्य। इसकी मुख्य वजह व्यक्ति की आमदनी के स्रोत सीमित होना है। गाँव के लोग ज्यादातर खेती-किसानी और मजदूरी ही करते हैं। लेकिन खेती और मजदूरी से जो पैसा आता है उससे परिवार की जरूरतें पूरी करना कई बार दुष्कर हो जाता है।

सूर्या फाउण्डेशन गाँव फफूँडा में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से लोगों को स्वरोजगार देने के लिए प्रेरित कर रहा है। इससे प्रेरित होकर गाँव के युवा कार्यकर्ता सचिन भड़ाना जी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए खेती के साथ-साथ चप्पल बनाने का काम अपने घर पर ही शुरू किया है। चप्पल बनाने की एक मैनुअल डाई मशीन घर पर लगाकर दैनिक उपयोग में आने वाली चप्पलें बनाने का कार्य शुरु हो गया है। यह काम खेती से बचे समय में करते हैं।

तैयार समान को गाँव के आसपास मार्केट की दुकानों में सप्लाई किया जाता हैं। गाँव में यह काम शुरु होने से 6 युवाओं को रोजगार मिला है। प्रतिदिन 200-300 रुपये की आमदनी होती है। सूर्या फाउण्डेशन की रोजगार के पहल से इस प्रकार के कार्यों को गति मिलेगी।

चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है

स्वावलम्बी स्वाभिमानी भाव जगाना है।
चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है।
घर-घर में गौ माँ की सेवा, पशुधन का हो पालन।
दूध, दही, घी, मट्ठा, लस्सी घर-घर में हो सेवन।
स्वस्थ रहेंगे, स्वच्छ रहेंगे भाव जगाना है।
गोपालन से खुशहाली हमें गाँव में लाना है।
चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है।।1।।

गाँव में होगी जैविक खेती, जमीं के नीचे पानी।
अनाज, सब्जी, फूल, फल से सजेगी धरती रानी।
स्नेह और सहकारिता का भाव जगाना है।
चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है।।2।।

ग्राम-नगर वन के वासी सब भारत की संतान हैं।
ऊँच-नीच का भेद भुलाकर करते सब मिल काम हैं।
समरसता का गीत गाकर कदम बढ़ाना है।
भारत माँ का अब फिर से हमें मान बढ़ाना है।
चलो गाँव की ओर हमें फिर देश बनाना है।।3।।

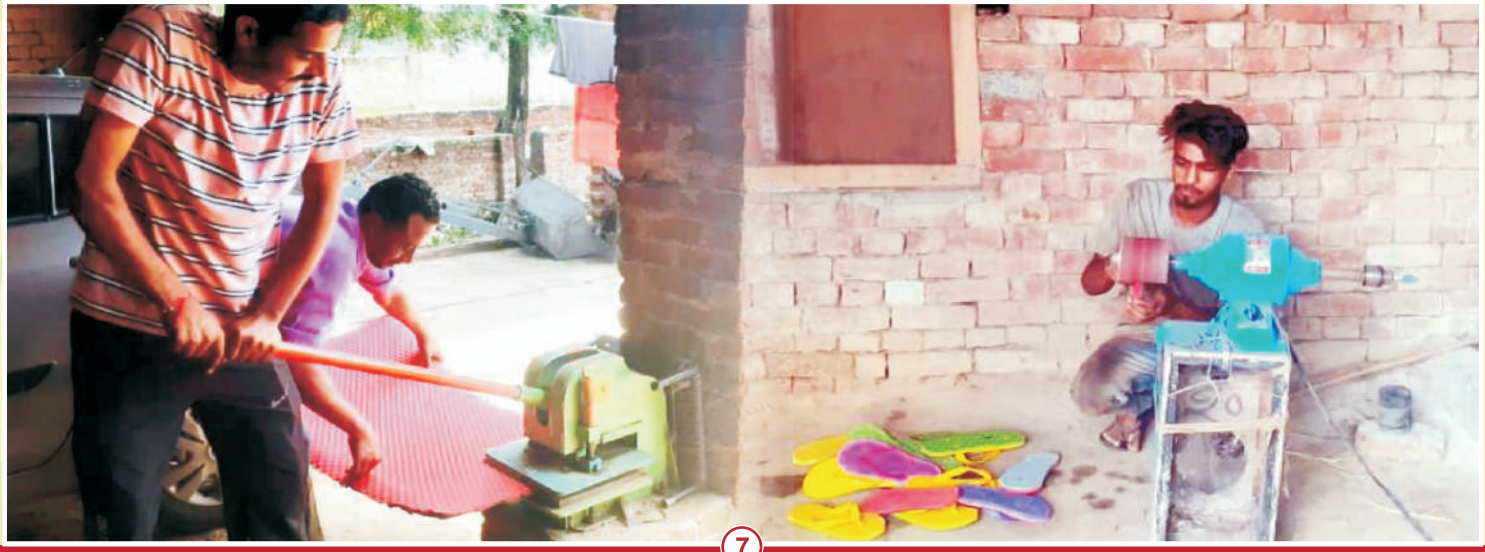

युवाओं की मैराथन : नगलावर (मथुरा)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव-नगलावर (मथुरा-उ.प्र.) में सूर्या यूथ क्लब के युवाओं ने आजादी की 74वीं वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर **एक दौड़ गाँव के नाम** का आयोजन किया। **युवाओं ने हाथ में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश देते हुए 21 किलोमीटर की मैराथन दौड़ पूरी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाँव में समरसता, स्वावलंबन और युवाओं में देशभक्ति के साथ-साथ मेरा गाँव-मेरा तीर्थ की भावना बढ़ाना है।**

ध्वजा रोहण करते हुए

दौड़ में भाग लेने वाले युवाओं के उत्साह हेतु रास्ते में कई स्थानों पर सूर्या संस्कार केन्द्र के भैया-बहन, सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने युवाओं का स्वागत भी किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में नई ऊर्जा का जोश देखने को मिला। युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ ध्वजा रोहण कार्यक्रम किया। संस्कार केन्द्र के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जल संरक्षण : सम्मानित करते हुए

गाँव के लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरुक करने के लिए संस्कार केन्द्र के बच्चों द्वारा रैली निकाली गयी और संगोष्ठी आयोजित कर बुजुर्ग सेवाभावियों से सुझाव लिए गए। ग्रामीणों को सामूहिक रूप से जल बचाव के लिए संकल्प दिलाया गया। ग्रामवासी अब पानी का उतना ही इस्तेमाल करते हैं, जितना उन्हें आवश्यकता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आने वाले समय में जल संकट दूर करने में युवा कार्यकर्ता अवश्य सफल होंगे।

जल संरक्षण हेतु संकल्प लेते हुए

स्वच्छता अभियान : कादीपुर (काशी)

आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी का प्रकोप बड़ी तेजी से बढ़ रहा है, जिसका प्रभाव गाँवों में भी तेजी से हो रहा है। इससे बचाव के लिए साफ-सफाई और सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसी को देखते हुए गाँव कादीपुर में नवयुवकों ने मिलकर गाँव को स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाया। स्वच्छता अभियान की शुरूआत सूर्या यूथ क्लब के युवकों नें 15 अगस्त को रैली निकालकर एवं श्रमदान के माध्यम से की।

गाँव के युवाओं ने हर गली, नालियां, मंदिर, खेल परिसर आदि को सामूहिक श्रमदान कर साफ किया। पूरे गाँव में ब्लीचिंग पाउडर, चूना एवं सेनिटाइजर का छिड़काव किया गया। जिससे गाँव में सभी लोग सुरक्षित और स्वस्थ रहें।

संस्कार केन्द्र के शिक्षक रामविलास भैया और यूथ क्लब के शिक्षक सुरेन्द्र भैया के साथ मिलकर स्वच्छता समिति गठित की गयी है। समिति में सहयोग करने वाले युवाओं को जोड़ा गया है। इस अभियान में युवा सथियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस अभियान के गार्जियन के रूप में ग्राम प्रधान प्रदीप पटेल जी का भरपूर सहयोग रहा।

बीचिंग पाउडर का छिड़काव करते युवा

स्वच्छता भी सेवा है।

शमशान घाट बना हरियाली मुक्तिधाम : बसई (उ. सि. नगर)

हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि मनुष्य जीवन जी रहे हैं। हमारा शरीर पाँच तत्वों से मिलकर बना है, जब हम प्राण त्यागते हैं तब हमारा शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाता है। आज कल शहरों में मृतशरीर को कृत्रिम उपकरणों से जलाया जाता है। भारतीय परंपरा में लकड़ियों द्वारा मृत शरीर को जलाना ठीक माना जाता है। इसलिए आज हम सबकी यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि पौधे अवश्य लगाएँ और आने वाली पीढ़ी को प्रकृति के नियमों के पालन के लिए जागरूक करें।

गाँव के लोगों ने बैठक कर शमशान घाट का नाम **हरियाली मुक्तिधाम** रखा और शमशान सेवा समिति के सदस्य एवं गाँव के सेवाभावी बंधुओं ने हरियाली मुक्तिधाम परिसर में 80 पौधे (फलदार, छायादार एवं औषधीय) लगाए। सभी ने वृक्षों के संरक्षण का संकल्प लिया। आने वाले समय में परिसर में पर्याप्त लकड़ियाँ उपलब्ध हो तथा आस-पास हरियाली हो और वातावरण प्रदूषण मुक्त रहे यह निश्चय है।

अब शमशान घाट **हरियाली मुक्तिधाम** के नाम से जाना जाता है। खाली परिसर में विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगाये गये जिसमे मुख्य रूप से पीपल, बरगद, सागौन, अमरुद और जामुन हैं।

सेवाभावी : अनुभव

गाँव के सार्वजनिक स्थानों जैसे विद्यालय, शमशान घाट, पंचायत भवन के परिसर में समाज के माध्यम से सूर्या फाउण्डेशन द्वारा किया जा रहा वृक्षारोपण का कार्य अतुलनीय है, हम सभी सेवा समिति के सदस्य फाउण्डेशन द्वारा लगाए गए वृक्षों की देख-रेख की पूर्णरूप से चिंता करेंगे। आने वाले समय में यही वृक्षों गाँव के वातावरण को शुद्ध एवं सुरक्षित बनाने में सहयोगी बनेंगे। सभी सदस्यों की उपस्थिति में वृक्षों के संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु शपथ के साथ हम संकल्पित हैं।

राजू जी
(सदस्य - शमशान सेवा समिति)

मुक्तिधाम में वृक्षारोपण करते बसई गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ता

सामूहिक श्रमदान, रैली : लोनाँव (गोरखपुर)

अगस्त बारिश का समय होता है। वर्षा में संक्रमण वाली बीमारियाँ भी फैलती हैं। इन समस्याओं से बचने तथा गाँव को स्वच्छ रखने के लिए चयनित आदर्श गाँव लोनाँव के युवाओं ने मिसाल कायम की। **मेरा गाँव साफ हो, इसमें सबका साथ हो** इस विचारधारा के साथ गाँव के प्रमुख सेवाभावी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर गाँव की स्वच्छता के विषय में विचार विमर्श कर गाँव को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया गया।

सूर्या यूथ क्लब के युवाओं और संस्कार केन्द्र के बच्चों के साथ पहले रैली तथा संपर्क के माध्यम से अभियान को शुरू किया गया। अपने-अपने घर के आसपास की सफाई खुद करें और अपने गाँव को साफ-सुथरा बनायें, यह सन्देश सभी ग्रामीणों को दिया गया। गाँव में साप्ताहिक सामूहिक स्वच्छता अभियान के माध्यम से गाँव की गलियों और नालियों को साफ किया जाता है। गाँव के लोगों में घर का कूड़ा-कचरा कूड़ेदान में डालने का अभ्यास बन गया है।

इस कार्य से प्रेरित होकर पंचायत द्वारा लक्ष्य लिया गया कि गाँव की सभी गलियाँ पक्की होंगी। गलियों में गंदा पानी इकट्ठा न हो इसके लिए सोख्ता गड्ढा बनाया जायेगा। पंचायत ने गाँव में स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूकता दिखाते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक गाँव में छः सोख्ता गड्ढे बनाये जा चुके हैं। जिससे स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण का भी काम हो रहा है।

सुर्खियों में सूर्या फाउण्डेशन की झलकियाँ

सूर्या फाउंडेशन ने वितरित किए सब्जी के बीज किए वितरित

प्रवीन चोपड़ा (बहादुरगढ़):- आज आदर्श गांव नयागांव में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ताओ ने पोषण वाटिका के लिए बीज वितरण किया, 10 प्रकार के उन्नत किस्मों के स्वदेशी बीज राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र वाराणसी से लाए गए है और पोषण वाटिका बनाने के फायदों के बारे में सभी ग्रामीणों को बताया गया। बीज वितरण के समय श्री रामवतार जी सेवाभावी, श्रीमती अंजू जी समूह सखी और सह प्रांत प्रमुख शत्रु हन लाल कश्यप उपस्थित थे। इस बात जी जानकारी ग्राम सेवक अरुण राजपूत ने दिया। मुख्य अतिथि कश्यप जी ने कहा शहरों में लोग गमलों में सब्जियां लगाते हैं,

हमारे घरों के पास बहुत जगह होती है जहां हम पोषण वाटिका बना सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पोषण वाटिका बनाना बहुत आवश्यक है। पोषण वाटिका हमारे गावों में पहले से ही बनाया जाता था किन्तु सब्जियों के बाजारीकरण होने से घरों में बनने वाली पोषण वाटिका में कमी आई है और ग्रामीण जन बाजार से जहरीली सब्जी लेकर खाते हैं। यह जहरीली सब्जी स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेय होती है। इसी समस्या से बचने के लिए सूर्या फाउंडेशन ने घर घर पोषण वाटिका अभियान शुरू किया है। पोषण वाटिका घर पर ही खाली स्थान पर बनाने की योजना बनाई गई है जिससे सिंचाई करने के लिए उन्हें अन्य साधनों की व्यवस्था न करनी पड़े घर से निकलने वाला खराब पानी ही पोषण वाटिका में उपयोग होगा। परिवार में ही जैविक सब्जी प्राप्त हो जाए और बाजार में होने वाले खर्च से बचा जा सके। यह प्रयोग 'जल संरक्षण' के लिए भी सहायक सिद्ध होगा। बीज वितरण के समय गांव के सूर्या यूथ क्लब के युवाओं ने पूरा सहयोग किया। गांव के स्वयं सहायता समूह की बहनों की समूह की बैठक में वितरण किया। इस अवसर पर अरुण राजपूत, संस्कार केन्द्र के जतिन, गौरव मोहित और तरुण भैया समूह की सदस्य रेखा, कमलेश, संतोष, माया, कृष्णा, नीलम आदि उपस्थित रहे।

आदर्श गांव का श्मशान घाट बना हरियाली मुक्तिधाम

काशीपुर। आदर्श गांव बसई हरियावाला चौक पर स्थित श्मशान घाट परिसर में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत फलदार, छायादार, एवं औषधिदार पौधे लगाए गए।

सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी जी ने बताया कि आज से श्मशान घाट परिसर को हरियाली मुक्तिधाम के नाम से बुलाया जाएगा जिस हेतु पूरे खाली परिसर में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के वृक्षों को लगाया गया जिसमे मुख्य रूप से पीपल, बरगद, साबुन, अमरुद और जामुन जैसे वृक्ष लगाए गए।

आज हम सभी सौभाग्यशाली हैं हमारे घर परिवार या हम स्वयं भी अपने पांच तत्वों से बने हुए शरीर को त्याग ते हैं और इस पवित्र स्थान मुक्तिधाम में आते हैं आज हम देखते हैं कि शहरों में आजकल शरीरों को लाइट एवं अन्य उपकरणों से जलाया जाता है इसलिए आज हम सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है किसी और के लिए नहीं सही तो कम से कम अपने अंतिम संस्कार के उपयोग में आने वाली लकड़ी के लिए पौधे अवश्य लगाएं और अपनी युवा पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को भी प्रकृति के नियमों के लिए जागरूक करें।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से हरियाली मुक्तिधाम सेवा समिति के सभी सदस्य गण एवं गांव के समाजसेवी बंधुओं एवं सेवाभावी ने मिलकर के सभी वृक्षों के संरक्षण हेतु संकल्प लिया और सभी बंधुओं द्वारा पाँच- पाँच की संख्या में हरियाली मुक्तिधाम के परिसर में प्रत्येक व्यक्ति पौधे लगाए गए ताकि आने वाले समय में इन विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के वृक्षों की लकड़ियां परिसर के ही कार्यों में काम आ सके और आसपास के वातावरण को पर्यावरण शुद्धि करण के अंतर्गत सुरक्षित एवं स्वस्थ्य रखने की परिकल्पना को साकार कर पाएं।

इस दौरान शमशान सेवा समिति के सदस्य राजू जी ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन के वृक्षारोपण विशेष अभियान के अंतर्गत आज गांव और क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों जैसे विद्यालय, शमशान घाट, पंचायत एवं अन्य परिसरों में सामूहिक समाज के माध्यम से जो कार्य किया जा रहा है वह अतुलनीय है और हम सभी सेवा समिति के सदस्य गण फाउंडेशन द्वारा लगाए गए सभी वृक्षों की देख देख एवं पालन पोषण की पूर्ण रूप से चिंता करेंगे और आने वाले समय में इन वृक्षों द्वारा हमारे गांव एवं आसपास के वातावरण को शुद्ध एवं सुरक्षित बनाने में सहयोगी बनेंगे।

इस दौरान सभी सदस्यों की उपस्थिति में वृक्षों की संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु शपथ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्रेरक कोटेशन दोराई गए जिसमें पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ 10 पुत्र समान। आओ मिलकर पेड़ लगाएं, हरी-भरी यह धरा बनाएं । धरती माता करे पुकार, कम हो बच्चे पेड़ हजार। हम सब यह ठाना है, घर-घर पेड़ लगाना है। सभी कोटेशन ओं कराते हुए सभी सदस्यों ने प्रकृति की संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु संकल्प लिया। इस दौरान सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार, श्मशान सेवा समिति के सदस्य राजू, प्रमोद, अशोक, सेवाभावी बंधु रणधीर सिंह सैनी, योगराज, मनोज कुमार, हरीश कुमार, ग्राम प्रधान उमेश, एवं अन्य सेवाभावी बंधु गण और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन ने घर-घर पोषण वाटिका अभियान के तहत ग्रामीणों को वितरित किये सब्जी के बीज

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मजरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत घर-घर पोषण वाटिका अभियान के तहत 50 परिवारों का रजिस्ट्रेशन कर पोषण वाटिका हेतु 10 प्रकार की सब्जियों का बीज वितरण किया गया, इसके साथ प्रत्येक परिवार को फलदार पौधे भी दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में परंपरागत कृषि आयोग के कलेक्टर प्रमुख शेखर जोशी, सूर्या रोशनी लिमिटेड एचआर महाप्रबंधक संजीव कुमार , ओके लाइव व्यापार प्रमुख केएस वर्मा , सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान शेखर जोशी एवं संजीव कुमार ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत, को मजबूती प्रदान करेगा पोषण वाटिका अभियान इसके माध्यम से आत्मनिर्भर परिवार और आत्मनिर्भर गांव

आवश्यक है अन्यथा इसका दुष्परिणाम हम स्वयं तो भुगत ही रहे हैं और हमारे आने वाली पीढ़ी इससे उबर नहीं पाई। आज पंजाब से लेकर के देश के विभिन्न राज्यों में खेती में अधिक केमिकल फर्टिलाइजर यूटिलाइज होने के कारण कैंसर के मरीजों ऑर्गेनिक से ही उत्पाद हुए सब्जी एवं अनाज आदि का उपयोग करते हैं हम सभी को भी समय रहते जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है अन्यथा जो अन्नदाता है वह स्वयं भी बीमार पड़ता जा रहा है क्योंकि सर्वाधिक प्रभाव केमिकल का

सूर्या फाउंडेशन ने वितरित किए सब्जी के बीज

नवज्योति/सोयला।

आदर्श गांव नांदिया कला में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सूर्या फ ाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने पोषण वाटिका के लिए बीज वितरण किए। 10 प्रकार के उन्नत किस्मों के बीज स्वदेशी बीज राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र वाराणसी से लाए गए और पोषण वाटिका बनाने के फायदे ग्रामीणों को केंद्रपाल ने बताया। बीज वितरण के समय जसवंत सिंह भाटी, महाराणा प्रताप यूथ क्लब संरक्षक ने कहा कि शहरों में लोग छत, बालकनी व गमलों में सब्जियां उगाते हमारे ग्रामीण क्षेत्र में तो घर के पास बहुत सी जगह होती है जिसमें हम पोषण वाटिका तैयार कर सकते हैं और ताजी सब्जियों का लाभ उठा सकते हैं।

बहुत आवश्यक है आजकल हम मार्केट से खरीद कर ऑर्गेनिक सब्जी खाते हैं जिससे हम जल्दी बीमार पड़ते हैं और हम अपने घरों में उगाई हुई जैविक सब्जी खाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं और अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं। जिसके लिए सूर्या फाउंडेशन ने घर घर पोषण वाटिका अभियान चलाया है। बीज वितरण के समय गांव के गणेश सोनी, कालू सिंह पंवार, बाबूलाल टेल

देश का विकास गांव के रास्ते से होकर जाता है - सूर्या फाउन्डेशन

गोरखपुर न्यूज रिपोर्टर। प्रदीप मौर्या न्यूज सबकी पसंद

गोरखपुर। जनपद गोरखपुर के ग्राम पाकड़ घाट में सूर्याफॉउंडेशन के कार्यकर्ताओं व गॉव के बुजर्गो में मिलाकर गॉव को व्यसन मुक्त जिम्मा उठाया था कुछ वर्ष पहले जो आज सफल खड़ा हुआ।

अजय सूर्यवंशी ने बताया कि यह एक छोटा गॉव और जिले के अंतिम छोर पर नदी के किनारे है यहां के लोग अधिकांस परिवार शराब के नशे में धुत रहते थे,गॉव में गरीबी शिक्षा की कमी, आर्थिक विकाश नही,लड़ाई झगड़ा आय दिन होता रहता था।गॉव का विकास रुका हुआ था,पर इन सब का कारण था शराब और नशा मजदूरी की कमाई भी नशे में उठ जाता है। सभी परेशान से ज्यादातर गॉव के कुछ पढे लिखे युवा थे,जिन्होंने संकल्प लिया कि गांव के सही दिशा देना है तो मूल कारण को नशा को खत्म करना होगा ,गॉव के युवा व बच्चों ने मिलकर बैठक, रैली जनजागरण के माध्यम से गॉव में बिकने वाली सभी नशीली पदार्थो पर प्रतिबंद लगवा दिए जिसे आज इस गांव के परिवार मजदूरी करके खुशी से रह रहे है, व माताए बहने ज्यादा खुश है यह अथक प्रयास सूर्या के कार्यकर्ताओं व सेवाभावीयो के लगन व गॉव के प्रति समर्पण भाव से हुआ।